Written by मेरी बटिया संवाददाता
Thursday, 21 June 2018 11:31

: [illegible] - [illegible], [illegible] : [illegible] : [illegible] :

[illegible]

[illegible] : उप्र लोकसेवा आयोग पूरी तरह नंग-धड़ंग हो चुका है, उसकी बेहूदा कार्यशैली और बेइमानयिों के नति-नये सबूत कसिी बड़ी नुमाइश की तरह जग-जाहरि होते जा रहे हैं। प्रतभिागयिों को नम्‍बर देने में घालमेल, सवालों में गड़बड़यिां, प्रभावशाली लोगों के बच्‍चों को टॉप कराने जैसी कई करतूते हो रही हैं। खुलेआम कोचगि सेंटरों पर सखिाये गये सवाल और उनके जवाब हू-ब-हू परीक्षाओं में आने लगे हैं। इतना ही नहीं, आयोग के एक समीक्षा अधकिारी ऐसी कोचगि सेंटर के मालकि-संचालक हैं। लेकनि इसके बावजूद योगी सरकार इस आयोग की नंगई पर दंडति करने के बजाय, आयोग प्रशासन की नंगई को ओढ़-थोप देने की जुगत में है।

कल की ही घटना को देख लीजयि। कल इलाहाबाद में एक सेंटर पर तब हंगामा हो गया जब पीसीएस मेंस परीक्षा में सुबह हदिी के पर्चे के बजाय शाम को होने वाला नबिंध का पर्चा बंट गया। जब इस पर हल्ला हुआ तो दोनों पालयिों की परीक्षायें रद्द कर दी गईं। इसी मामले से जुड़ी एक नई खबर आ रही है। खबर है कि आयोग का एक समीक्षा अधकिारी इलाहाबाद में एक मशहूर कोचगि चलाता है। इस कोचगि में वशिेश तौर पर नबिंध और हदिी की कोचगि दी जाती है। ऐसा बताया जा रहा है की कल की रद्द हो चुकी परीक्षा में जो हदिी और नबिंध के पर्चे बांटे गये उनमें दयि गये प्रश्न इस अधकिारी की कोचगि द्वारा दयि गये सैंपेल पेपर्स के सवालों से मैच करता है। मलिता-जुलता नहीं, बल्कि पूरा का पूरा प्रश्न मैच करता है।

ये क्या मात्र संयोग हो सकता है की आयोग का ही एक अधकिारी एक नामी कोचगि चलाता हो और उस कोचगि के नोट्स में दयि गये प्रश्न परीक्षा में आये प्रश्नों से हूबहू मलि जायें। और अगर ये सब एक खेल के तहत हुआ है तो क्यूं नहीं योगी सरकार इस आयोग को भंग कर देती है? आखरि क्या मजबुरी है? पछिले चार महनिों से सीबीआई जांच का झुनझुना बजाया जा रहा है पर अब तक इस जांच का कोई नशि्कर्ष नही नकिल सका है। सीबीआई ने एक एफआइआर भी दर्ज कर रखी है पीसीएस 2015 परीक्षा में धांधली को लेकर पर अब तक कोई गरिफ्तारी नही की गई है। क्या परीक्षा में चयनति बड़े अधकिारयिों के बच्चों को बचाने के लयि ही जांच को प्रभावति कयिा जा रहा है? या फरि जांच में कोई तथ्य नकिले ही नहीं हैं और सारे आरोप फर्जी थे? जो भी हो सरकार को अब अपना श्रीमुख खोलकर स्थति स्पष्ट करनी चाहयि।

आयेग के वर्तमान अध्यक्ष अनरिुद्ध यादव एक छोटे से कस्बे के इंटर कॉलेज के प्राचार्य थे और उनको सीधे वहां से उठाकर इतने बड़े ओहदे पर बैठा दयिा गया। अनरिुद्ध यादव सपा नेताओं के करीबी होने के अलावा पुराने संघी भी बताये जाते हैं। कहते हैं कि सरकार बदलने पर यादव ने संघ के पुराने संबंध खोज नकिाले और अपनी कुर्सी बचा ली। अगर सरकार वाकई ईमानदार है तो इस स्थति को देखते हुए संवधिान में दी गई शक्तयिों का प्रयोग करते हुए आयोग के अयोग्य अध्यक्ष अनरिुद्ध यादव को राज्यपाल की शक्त से नलिंबति करा के एक नये अध्यक्ष की नयिुक्त करनी चाहयि जो की कसिी वशि्वधिालय का कुलपत रहा हो या बड़े स्तर का IIT-IIM का प्रोफेसर हो या फरि कोई ईमानदार बड़ा अधकिारी। जब तक ये आयोग की सत्ता दागी व अयोग्य लोगों के हाथ में रहेगी तब तक ऐसे कारनामे रोज़ होते रहेंगें।

उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग- जी हां, ये है देश का सबसे बदनाम, बेशर्म और घटयिा चयन आयोग। इस आयोग के बारे में जो कहा जाये कम है।

बाप रे! सेवाआयोग के अफसर ने ही लीक किया परचा

Written by मेरी बटिया संवाददाता
Thursday, 21 June 2018 11:31

इतनी बदनामी के बाद भी ये आयोग सुधरने का नाम नही ले रहा। अखलिेश यादव की सरकार ने इस आयोग में □से निकम्मे और दुष्ट लोगों को अध्यक्ष और सदस्य बनाया की उसका परणिाम आज भी परीक्षार्थी भुगत रहे हैं।

यूपी लोक सेवा आयोग से जुड़ी खबरों को अगर आप बांचना चाहें, तो कृपया निम्न लिंक पर क्लिक कीजिएगा :-

बदहाल है यूपी को अफसरों की आपूर्ति करने वाली फैक्ट्री

2 / 2